अंक-योजना

अत्यंत गोपनीय

(केवल आंतरिक और प्रतिबंधित उपयोग के लिए)

वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय प्रमाणपत्र परीक्षा, **2026**

विषय---हिंदी (ऐच्छिक)

Series: S4PRQ (प्रश्न-पत्र कोड **29/**4/3**)**

<u>सामान्य निर्देश: -</u>

1	सीबीएसई ने 2026 की परीक्षा से कक्षा XII की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए 'ऑन स्क्रीन मार्किंग' (OSM) शुरू करने का निर्णय लिया है।
2	आप जानते ही हैं कि परीक्षार्थियों के वास्तविक और सही मूल्यांकन में 'मूल्यांकन' सबसे महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी गलती भी गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती है, जिसका प्रभाव परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा-प्रणाली और शिक्षण पर पड़ सकता है। आपसे अनुरोध है कि गलतियों से बचने के लिए मूल्यांकन शुरू करने से पहले 'मूल्यांकन दिशा-निर्देशों' को ध्यान से **अवश्य** पढ़ें, समझें और मूल्यांकन करते समय उनका पालन **अवश्य** करें।
3	"मूल्यांकन एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं की गोपनीयता से संबंधित है। किसी भी तरह से इसे सार्वजनिक करने से परीक्षा-प्रणाली पटरी से उतर सकती है और लाखों परीक्षार्थियों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकती है। इस नीति/दस्तावेज को किसी से भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट में छापना आदि बोर्ड और बीएनएस के विभिन्न नियमों के अंतर्गत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता है।"
4	मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों और निर्धारित चरणों (Steps) के अनुसार किया जाना चाहिए। इसे किसी की अपनी व्याख्या या किसी अन्य विचार के अनुसार नहीं किया जाना चाहिए। अंक-योजना का सख्ती से पूरी तरह पालन किया जाना चाहिए। मूल्यांकन करते समय, जो उत्तर नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित हैं, उनका सत्यता एवं प्रासंगिकता के आधार पर मूल्यांकन किया जाए। योग्यता-आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें और उचित अभिव्यक्ति पर उचित अंक दें।
5	अंक-योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझावात्मक बिंदु दिए गए हैं। ये केवल दिशा-निर्देश हैं। परीक्षार्थी की प्रस्तुति अगर सही है, तो प्रश्न के आधार पर उचित अंक दिए जाएँ।
6	प्रधान परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा मूल्यांकित पहली पाँच उत्तर पुस्तिकाओं का पुनरावलोकन अवश्य करना चाहिए, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है। यदि मूल्यांकन में कोई भिन्नता है तो विचार-विमर्श और चर्चा के बाद उसे दूर किया जाना चाहिए। मूल्यांकन के लिए शेष उत्तर पुस्तिकाएँ यह सुनिश्चित करने के बाद ही दी जाएँ।

7	मूल्यांकनकर्त्ता उत्तर सही होने पर सही (✓) का निशान लगाएँ, गलत उत्तर के लिए क्रॉस (**X**) का निशान लगाएँ। मूल्यांकन करते समय सही (✓) का निशान नहीं लगाने पर भ्रम की स्थिति उत्पन्न होती है और यह आभास होता है कि उत्तर सही है और कोई अंक नहीं दिया गया।
8	अगर किसी प्रश्न में उपभाग हैं तो कृपया OSM पोर्टल में प्रत्येक उपभाग के लिए दाईं ओर अंक दें। प्रश्न के विभिन्न उपभागों पर दिए गए अंकों का योग OSM सिस्टम करेगा।
9	यदि किसी प्रश्न में कोई उपभाग नहीं है, तो OSM पोर्टल में बाईं ओर हाशिये में अंक दिए जाने चाहिए। इसका भी सख्ती से पालन किया जाना चाहिए।

10	वर्तनी संबंधी एक ही अशुद्धि के लिए बार-बार अंक न काटा जाए।
11	अंकों के पूरे पैमाने 0 से 80 अंक का उपयोग किया जाए। यथोचित उत्तर पर पूरे अंक देने में संकोच न करें।
12	प्रत्येक परीक्षक को अनिवार्य रूप से पूरे कार्यसमय अर्थात प्रतिदिन 8 घंटे मूल्यांकन कार्य करना होगा तथा मुख्य विषयों में प्रतिदिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं तथा अन्य विषयों में प्रतिदिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होगा (विवरण दिशा-निर्देशों में दिया गया है)। यह पाठ्यक्रम में कमी तथा प्रश्न-पत्र में प्रश्नों की संख्या को ध्यान में रखते हुए किया गया है।
13	उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन के समय यदि उत्तर पूर्णतः गलत पाया जाए, तो उस पर क्रॉस (X) का निशान लगाकर शून्य (0) अंक दिया जाना चाहिए।
14	परीक्षकों को वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले मूल्यांकन के लिए दिए गए दिशानिर्देशों से परिचित होना चाहिए।
15	परीक्षार्थी निर्धारित प्रोसेसिंग फीस का भुगतान करके उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने के हकदार हैं। सभी परीक्षकों/अतिरिक्त प्रधान परीक्षकों/प्रधान परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन प्रत्येक उत्तर के लिए अंकयोजना में दिए गए मूल्य बिंदुओं के अनुसार सख्ती से किया गया है।
16	यदि किसी परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न का उत्तर लिखा है तो अधिक अंक पाने वाले प्रश्न के उत्तर को ही स्वीकार किया जाना चाहिए तथा अन्य उत्तर पर 'अतिरिक्त प्रश्न' लिखकर काट दिया जाना चाहिए।
17	यदि परीक्षार्थी ने कोई प्रश्न नहीं किया है, तो मूल्यांकनकर्ता उस प्रश्न-संख्या के सामने अंकतालिका में "NA" (प्रयास नहीं किया गया) अंकित करेगा।

अंक योजना

हिंदी ऐच्छिक (विषय कोड - 002)

प्रश्न-पत्र कोड : 29/4/3 (S4PRQ)

निर्धारित समय: 3 घंटे **अधिकतम अंक: 80**

प्र. सं.	अपेक्षित/सांकेतिक उत्तर बिंदु	अंक	Step
	खंड – क **(अपठित बोध)**		
1.	अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के अपेक्षित उत्तर :	10	
(i)	**(C)** युवाओं पर सोशल मीडिया का सकारात्मक से अधिक नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।	1	Step 1-1 Mark
(ii)	**(D)** रचनात्मक विकास	1	Step 1-1 Mark
(iii)	**(D)** कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।	1	Step 1-1 Mark
(iv)	• आभासी दुनिया के रिश्तों को ही वास्तविक मान लेना • अधिकांश समय सोशल मीडिया पर बिताने के कारण सामाजिक जीवन से कटाव और बढ़ता अकेलापन	2	Step 1-1 Mark Step 2-1 Mark
(v)	• सूचना प्राप्त करने, दूसरों से जुड़ने, जानकारियों को साझा करने का एक महत्त्वपूर्ण माध्यम • सोशल मीडिया का उचित, सीमित और आवश्यकतानुसार उपयोग लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायक	2	Step 1-1 Mark Step 2-1 Mark
(vi)	• सोशल मीडिया की लत को अपने ऊपर हावी न होने देकर सोशल मीडिया का संतुलित उपयोग • सामाजिक संबंधो की मजबूती और वास्तविक दुनिया से जुड़ाव	2	Step 1-1 Mark Step 2-1 Mark
(vii)	वास्तविक दुनिया का आभास कराने वाली डिजिटल दुनिया	1	Step 1-1 Mark
2.	अपठित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के अपेक्षित उत्तर :	8	
(i)	**(D)** कथन तथा कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।	1	Step 1-1 Mark
(ii)	**(C)** आदतों को छोड़ने/बदलने में बहुत समय लगता है।	1	Step 1-1 Mark
(iii)	**(B)** अपनी अच्छी या बुरी आदतों पर जीने वाला हो।	1	Step 1-1 Mark
(iv)	• किसी कार्य-शैली को नियमित दोहराए जाने से बनी स्वाभाविक प्रवृत्ति	1	Step 1-1 Mark
(v)	• मनुष्य में अपनी आदतों को परिष्कृत करने की क्षमता जबकि जानवर अपनी आदतों का गुलाम	2	Step 1-1 Mark Step 2-1 Mark

	• मनुष्य में विवेकशीलता जबकि जानवर द्वारा बिना सोचे-समझे अपनी आदतों को दोहराना		
(vi)	• प्रतिस्पर्धा का, सबको पीछे छोड़कर दूसरों को धकियाते हुए आगे निकलने की प्रवृत्ति • भौतिकतावादी युग में जल्द से जल्द समृद्धि पाने और ऊँचाई पर पहुँचने की होड़	2	Step 1-1 Mark Step 2-1 Mark
	खंड – ख **[अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित]**		
3.	**किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **60** शब्दों में अपेक्षित :	3x2=6	
(i)	• कविता की भाषा, संरचना, बिंब, छंद – सब कुछ परिवेश और विषय के अनुसार ही तय • अगर किसी कविता का विषय प्रकृति है और परिवेश गाँव का है तो उस कविता में शब्द, बिंब, छंद आदि का प्रयोग भी उसी के अनुसार **उदाहरण (कोई एक)**– - 'अकाल और उसके बाद' (नागार्जुन) की कविता में ग्रामीण परिवेश के अनुरूप ही चूल्हा, चक्की, दाने आदि तद्भव शब्दों का प्रयोग – नागार्जुन की ही दूसरी कविता 'बादल को घिरते देखा है' में प्रकृति के विराट स्वरूप, हिमालय के सौंदर्य – वर्णन में भाषा तत्सम पदावली से युक्त अन्य उपयुक्त उदाहरण भी स्वीकार्य	3	Step 1-1Mark Step 2- 2 Mark
(ii)	• दृश्य-काव्य होने के कारण नाटक संप्रेषण का सबसे सशक्त और जीवंत माध्यम • सामाजिक समस्याओं को लेकर चिंता, छटपटाहट, असंतुष्टि, प्रतिरोध आदि भावों की अभिव्यक्ति नाटक में बेहतर तरीके से करना संभव • दर्शकों के समक्ष प्रत्यक्ष रुप से मंचन होने के कारण दर्शकों का नाटक से भावनात्मक जुड़ाव	3	Step 1- 1 Mark Step 2- 1 Mark Step 3- 1 Mark
(iii)	**समानता-** दोनों में कथानक, संवाद-योजना, पात्र और चरित्र-चित्रण, देशकाल और परिवेश, भाषा-शैली, उद्देश्य **भिन्नता** – • नाटक में पढ़ने, सुनने और देखने-तीनों गुण समाहित जबकि कहानी केवल पढ़ने और सुनने का माध्यम		Step 1- 1.5 Mark Step 2- 1.5 Mark

	• नाटक का वर्तमान में मंचन आवश्यक जबकि कहानी का वर्तमान में होना उसकी बाध्यता नहीं		
4.	प्रश्नों के अपेक्षित उत्तर :		
(i)	• किसी विषय विशेष पर सामान्य से हटकर विशेष ढंग से लिखा गया लेख क्षेत्र – खेल, अर्थ – व्यापार, कृषि, विज्ञान आदि	1	Step 1-0.5 Mark Step 2-0.5 Mark
(ii)	**संपादकीय** – सम्पादकीय मंडल द्वारा समसामयिक, महत्त्वपूर्ण और ज्वलंत मुद्दों पर लिखा गया लेख **लेख** – संपादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित विषय-विशेषज्ञों द्वारा समसामयिक एवं महत्त्वपूर्ण विभिन्न विषयों पर लिखे गए लेख	2	Step 1-1 Mark Step 2-1 Mark
(ग)	• उलटा पिरामिड शैली **विशेषताएँ-** • इंट्रो/मुखड़ा, बॉडी और समापन- तीन अंग • ख़बरों की महत्त्व के घटते क्रम में प्रस्तुति	2	Step 1-1 Mark Step 2-1 Mark
5.	**किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **60** शब्दों में अपेक्षित :	3x2=6	
(i)	• प्रिंट, रेडियो, टेलीविजन माध्यमों के समस्त गुणों से युक्त आधुनिक और तीव्र माध्यम • प्रत्येक विषय की पृष्ठभूमि के साथ हर प्रकार की जानकारी तुरंत उपलब्ध • खबरों का संप्रेषण, सत्यापन, पुष्टि और फीडबैक तुरंत संभव	3	Step 1-1 Mark Step 2-1 Mark Step 3-1 Mark
(ii)	• विशेष लेखन के हर क्षेत्र विशेष की अपनी विशेष तकनीकी शब्दावली जबकि सामान्य लेखन में विषय से संबंधित सामान्य शब्दावली **उदाहरण** – सोना उछला, चाँदी लुढ़की (कारोबार-व्यापार) - ग्लोबल वॉर्मिंग, टॉक्सिक कचरा (पर्यावरण) • विशेष लेखन की कोई निश्चित शैली नहीं विषय के अनुरूप उलटा पिरामिड अथवा कथात्मक शैली जबकि सामान्य लेखन की सरल, सहज और बोधगम्य भाषा-शैली	3	Step 1-1 Mark Step 2-1 Mark Step 3-1 Mark
(iii)	**महत्त्व-** समसामयिक विषयों पर विचार प्रस्तुत कर जनमत तैयार करना और अखबारों की छवि बनना	3	Step 1-1 Mark Step 2-1 Mark Step 3-1 Mark

	सामग्री- अखबारों में संपादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित होने वाले लेख, संपादकीय, टिप्पणियाँ आदि **उदाहरण-** फ़ीचर, स्तम्भ, संपादकीय, विचारपरक लेख, टिप्पणियाँ आदि		
6.	किसी **एक विषय** पर लगभग 100 शब्दों में रचनात्मक लेख : विषयवस्तु – 3 अंक भाषा - 1 अंक प्रस्तुति - 1 अंक	5	Step 1-3 Mark Step 2- 1 Mark Step 3- 1 Mark
	खंड – ग **(पाठ्य-पुस्तकों अंतरा, अंतराल के आधार पर)**		
7.	किसी **एक** काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या लगभग **100** शब्दों में अपेक्षित : • संदर्भ : 1 अंक (कवि और कविता का नाम) • प्रसंग : 1 अंक (पूर्वापर संबंध) • व्याख्या : 3 अंक i) सामान्य अर्थ लिखने पर 1 से 2 अंक दिए जाएँ ii) सामान्य अर्थ के साथ भावार्थ स्पष्ट करने पर पूरे 3 अंक दिए जाएँ • विशेष : 1 अंक (i) कवि- जयशंकर प्रसाद कविता- देवसेना का गीत (ii) कवि- तुलसीदास कविता- भरत-राम का प्रेम	6	Step 1- 1 Mark Step 2- 1 Mark Step 3- 3 Mark Step 4- 1 Mark
8.	पठित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उपयुक्त विकल्प :	1x5=5	
(i)	(B) फागुन	1	Step 1- 1 Mark
(ii)	(D) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।	1	Step 1- 1 Mark
(iii)	(B) केवल I और III	1	Step 1- 1 Mark
(iv)	(C) राख बनकर	1	Step 1- 1 Mark
(v)	(D) फागुन मास में रानी नागमती की विरह–व्यथा का वर्णन	1	Step 1- 1 Mark
9.	काव्य खंड पर आधारित **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में अपेक्षित :	2x2=4	
(i)	• अभावों और संघर्षों से भरा जीवन, पत्नी और पुत्री की असामयिक मृत्यु, पुत्री के लिए कुछ न कर पाने की विवशता	2	Step 1- 1 Mark Step 2- 1 Mark

	• संघर्षों से कवि का विचलित न होना, निराशा और संघर्षों से जूझते हुए जीवन के प्रतिमानों को स्थापित करना, परंपरागत रूढ़ियों की परवाह न करते हुए नए मार्ग का निर्माण करना और डटे रहना (पिता द्वारा माँ का भी दायित्व निभाना, पुत्री का विवाह परंपरा से हटकर करना)		
(ii)	**पत्थर-** संवेदनहीनता और व्यक्तिगत बंधन (ऊब, खीझ, द्वेष, ईर्ष्या आदि मन के नकारात्मक भाव) **चट्टान-** अवरोध अर्थात सामाजिक बंधन (समाज में व्याप्त रूढियाँ, कुरीतियाँ और अंधविश्वास) • नकारात्मक भावों और सामाजिक कुरीतियों को दूर कर रचनात्मकता का विकास	2	Step 1- 1 Mark Step 2- 1 Mark
(iii)	**जीवन-मूल्य** • भ्रातृ-प्रेम, त्याग, अगाध श्रद्धा और कर्त्तव्य का समन्वय **प्रासंगिकता** • आधुनिक समाज में स्वार्थ, ईर्ष्या और सत्ता की लालसा आम बात, भरत जैसा त्याग, समर्पण और प्रेम दुर्लभ वर्तमान समाज के लिए भरत-राम के प्रेम द्वारा पारिवारिक मूल्यों और निःस्वार्थ प्रेम की प्रेरणा	2	Step 1- 1 Mark Step 2- 1 Mark
10.	किसी **एक** गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या लगभग **100** शब्दों में अपेक्षित : • संदर्भ : 1 अंक (पाठ और लेखक का नाम) • प्रसंग : 1 अंक (पूर्वापर संबंध) • व्याख्या : 3 अंक i) सामान्य अर्थ लिखने पर 1 से 2 अंक दिए जाएँ ii) सामान्य अर्थ के साथ भावार्थ स्पष्ट करने पर पूरे 3 अंक दिए जाएँ • विशेष : 1 अंक (i) पाठ - सुमिरिनी के मनके (ढेले चुन लो) लेखक - पंडित चंद्रधर शर्मा गुलेरी (ii) पाठ- दूसरा देवदास लेखक - ममता कालिया	6	Step 1- 1 Mark Step 2- 1 Mark Step 3- 3 Mark Step 4- 1 Mark
11.	पठित गद्यांश पर आधारित **बहुविकल्पीय** प्रश्नों के उत्तर :	1x5=5	
(i)	(B) पूँजीपति वर्ग का	1	Step 1- 1 Mark
(ii)	(C) मजदूरों को चार हाथ लगाने के लिए	1	Step 1- 1 Mark

(iii)	(C) कथन तथा कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।	1	Step 1- 1 Mark
(iv)	(D) पूँजीपतिवर्ग की अहिंसावादी नीतियों का वर्णन किया गया है।	1	Step 1- 1 Mark
(v)	(A) भरण–पोषण की लाचारी के कारण	1	Step 1- 1 Mark
12.	गद्य खंड पर आधारित **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में अपेक्षित :	2x2=4	
(i)	• पुरानी हिंदी कविता के प्रेमी, 'रामचरितमानस' और 'रामचंद्रिका' को पढ़ने का चित्ताकर्षक ढंग • फारसी की उक्तियों को हिंदी कवियों की उक्तियों के साथ मिलाने में आनंद का अनुभव • भारतेंदु के नाटकों से गहरा अनुराग • भारत जीवन प्रेस की पुस्तकें घर लाना	2	Step 1- 1 Mark Step 1- 1 Mark
(ii)	**आतिथ्य प्रेम** – लेखक व उनकी पत्नी को लाने के लिए स्वयं बाहर तक जाना, चाय की मेज पर फल छीलकर खिलाना, लेखक के लिए गुसलखाने के बाहर स्वयं तौलिया लेकर खड़ा होना **अंतर्राष्ट्रीय मैत्री व सद्भाव** – दो देशों के लोगों के बीच मित्रता, भारत से आए लेखक को अपने यहाँ आने के लिए आंमत्रित करना,भारतीय नेता गांधी जी के प्रति आदर और सम्मान का भाव प्रदर्शित करना	2	Step 1- 1 Mark Step 1- 1 Mark
(iii)	• विपरीत परिस्थितियों में उल्लसित भाव से जीना • जीने की अदम्य इच्छा-शक्ति (पाषाण से भी भोज्य खींचकर लाना) • निर्भीक, चाटुकारिता से मुक्त और मस्तमौला	2	Step 1- 1 Mark Step 1- 1 Mark
13.	'अंतराल' पर आधारित **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में अपेक्षित :	5x2=10	
(i)	• शंकालु और ईर्ष्यालु • संवेदनहीन • प्रतिशोध की भावना से युक्त • स्वार्थी और लालची • क्रूर और धूर्त	5	Step 1- 1 Mark Step 2- 1 Mark Step 3- 1 Mark Step 4- 1 Mark Step 5- 1 Mark
(ii)	• 'बिस्कोहर की माटी' पाठ में लेखक के गाँव में भारत के अधिकांश गाँवों की सजीव और यथार्थ झलक • भारतीय गाँवों के खेत, फूल, प्राकृतिक वस्तुओं पर निर्भरता आदि का वर्णन, प्राकृतिक परिवेश	5	Step 1- 2 Mark Step 2- 3 Mark

	प्रेरणा- • अपनी जड़-जमीन, प्रकृति और संस्कृति के प्रति भावनात्मक जुड़ाव • आपसी सहयोग और आत्मीयता • संस्कारों और परंपराओं से जुड़ाव		
(iii)	**मालवा की विशेषताएँ** – • सुख-समृद्धि एवं सम्पन्नता से युक्त • प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर • आत्मीयता की भावना • सांस्कृतिक रुप से समृद्ध **आधुनिक भोगवादी (खाऊ-उजाड़ू सभ्यता) संस्कृति-** • प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन, परंपरागत ज्ञान को व्यर्थ मानना • हानिकारक गैसों के उत्सर्जन से पारिस्थितिकीय असंतुलन, नदियों का सूख जाना इत्यादि	5	Step 1- 1 Mark Step 2- 1 Mark Step 3- 1 Mark Step 4- 1 Mark Step 5- 1 Mark